दिल्ली, उ0प्र0, हरियाणा, पंजाब, गुजरात एवं राजस्थान में प्रसारित।

गुरुकृपा दर्पण

राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक

UTTHIN/2022/85670

डाक सं० UA/DO/DON/02/2024-2026

वर्ष : 04 | अंक : 05 | हरिद्वार | शनिवार, 1 फरवरी, 2025 | मूल्य : एक रुपया | पृष्ठ : 4

गणतंत्र दिवस पर प्रदर्शित विभिन्न राज्यों की झांकियों में उत्तराखण्ड की झांकी को मिला तृतीय स्थान

मुख्यमंत्री ने झांकी के सभी 16 कलाकारों को 50-50हजार की धनराशि देने की घोषणा की

जतिन शर्मा

देहरादून। गणतंत्र दिवस पर विभिन्न राज्यों की झांकियों में उत्तराखण्ड की सांस्कृतिक विरासत एवं साहसिक खेल झांकी को तृतीय स्थान मिलने के बाद नई दिल्ली के उत्तराखण्ड निवास स्थित मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में महानिदेशक सूचना बंशीधर तिवारी और टीम लीडर/संयुक्त निदेशक सूचना के.एस. चौहान सहित झांकी के कलाकारों ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट की। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखण्ड को ०सांस्कृतिक विरासत एवं साहसिक खेल० झांकी को तृतीय पुरस्कार मिलना प्रदेश के लिये सम्मान की बात है। उन्होंने झांकी में शामिल सभी 16 कलाकारों को 50-50हजार रुपये मुख्यमंत्री विवेकाधीन कोष के अंतर्गत प्रदान करने की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों की पसंद पर गणतंत्र दिवस के अवसर पर उत्तराखण्ड की झांकी को तृतीय स्थान प्राप्त होने से राज्य की समृद्ध लोक संस्कृति एवं धार्मिक विरासत को देश-विदेश में विशिष्ट पहचान मिल रही है। मुख्यमंत्री निर्देशानुसार राज्य सरकार द्वारा सांस्कृतिक विरासत को बढ़ावा देने और साहसिक खेलों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने के लिए गणतंत्र दिवस की परेड में झांकी के रूप में प्रदर्शित करने का निर्णय लिया गया था। मुख्यमंत्री के निर्णयों से साहसिक खेलों के लिए अवस्थापना सुविधाओं को बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है। उल्लेखनीय है कि नई दिल्ली स्थित राष्ट्रीय रंगशाला शिविर में सांस्कृतिक कार्यक्रम में उत्तराखण्ड राज्य की झांकी के कलाकारों को द्वितीय पुरस्कार मिला और कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड में ०सांस्कृतिक विरासत एवं साहसिक खेल० पर आधारित उत्तराखण्ड झांकी को भी लोगों की पसंद के आधार पर देश में तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। इस अवसर पर झांकी के कलाकार सुरेश राजन, तरुण कुमार, राजेश कुमार, रवीन्द्र कुमार, अभिषेक पाण्डेय, अमन विश्वकर्मा, शुभम बेरी, रेखा पूना, कमला पन्त, चन्द्रदीप राजन, प्रियंका आर्या साही, अंजलि आर्या, रश्मि पन्त, निकिता आर्या, साक्षी बोहरा उपस्थित रहे।

डीएम ने ली लोनिवि और राजस्व की समीक्षा

रुद्रप्रयाग। लोक निर्माण विभाग, राजस्व एवं वन विभाग की समीक्षा बैठक में डीएम ने प्रांतीय खंड लोनिवि रुद्रप्रयाग के 15 और लोनिवि ऊखीमठ के 14 प्रकरणों की समीक्षा की। इस दौरान सड़क निर्माण में वन भूमि के स्थानान्तरण मामलों को गंभीरता से लेने के निर्देश अफसरों को दिए। जिससे अधिकांश मामले निस्तारित हो सके। जिला कार्यालय सभागार में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी सौरभ गहरवार ने समीक्षा के दौरान कतिपय प्रकरणों में ऑनलाइन एवं ऑफलाइन प्रकरणों में भिन्नता पाई गई है जिसके लिए उन्होंने संबंधित प्रकरणों को पुनः दुरुस्त करते हुए 3 दिनों के अंदर ऑनलाइन करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि वन भूमि स्थानांतरित के लिए जो भी निरीक्षण किया जाना है, उस पर संबंधित अधिकारी तत्काल निरीक्षण करते हुए तत्काल आख्या उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने लोनिवि एवं वन विभाग के अधिकारियों को ऑनलाइन प्रकरणों में सभी दस्तावेजों को ऑनलाइन करते हुए नोडल अधिकारी स्तर से सैद्धांतिक स्वीकृति प्राप्त करने के निर्देश दिए। जिन क्षेत्रों में क्षतिपूरक पौधरोपण की कार्यवाही की जानी है, उसमें तत्परता से आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाए। जिसकी अगली बैठक में समीक्षा की जाएगी। यदि संबंधित प्रकरणों पर कार्यवाही नहीं की जाती है, तो संबंधित अधिकारी के विरुद्ध आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। बैठक में प्रभागीय वनाधिकारी कल्याणी, उप जिलाधिकारी रुद्रप्रयाग आशीष घिल्डियाल, जखोली भगत सिंह फोनिया, अधिशासी अभियंता लोनिवि रुद्रप्रयाग इंद्रजीत बोस, सहायक अभियंता लोनिवि ऊखीमठ नरेंद्र कुमार, सहायक अभियंता संजय सैनी, क्षेत्रीय वनाधिकारी, उप निरीक्षक, अमीन आदि मौजूद थे।

गुरुकृपा दर्पण (राष्ट्रीय समाचार पत्र) को आवश्यकता है उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश के समस्त जिलों के लिए ब्यूरो चीफ, कैमरा मैंन, संवादाताओं की। सम्पर्क करें – 9410731129, 9548880101

मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल और केंद्रीय सड़क परिवहन राज्यमंत्री अजय टम्टा से मुलाकात

जतिन शर्मा

ऋषिकेश। क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डा. प्रेमचंद अग्रवाल और केंद्रीय सड़क परिवहन राज्यमंत्री अजय टम्टा के बीच मुलाकात हुई। इस दौरान डा. अग्रवाल ने केंद्रीय मंत्री से नेपाली फार्म से श्यामपुर बाईपास शीघ्र बनाने का अनुरोध किया। मुलाकात के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री ने बताया कि नेपाली फॉर्म से ढालवाला तक बनाए जाने वाला बाईपास प्रथम भाग में पूर्ण किया जाएगा। बताया कि इसकी लंबाई 10.88 किमी है तथा लागत 1519.98 करोड़ है। बताया कि इसकी डीपीआर तैयार कर ली गई है, उन्होंने बताया कि प्रथम भाग के कार्य की कार्यवाही गतिमान है। गौरतलब है नेपाली फॉर्म से श्यामपुर तक वाहनों का अधिक दबाव होने चलते यातायात बाधित की समस्या आम हो गई है। स्थानीय नागरिकों की मांग पर क्षेत्रीय विधायक व मंत्री डा. अग्रवाल द्वारा पूर्व में मोदी-2 की सरकार में दो बार केंद्रीय सड़क एवं परिवहन मंत्री नितिन गडकरी को मांग पत्र सौंपा था। जिस पर केंद्रीय मंत्री गडकरी द्वारा स्वीकृति दी गई है। इसके बाद मोदी-3 सरकार बनने के बाद इस प्रक्रिया में उत्तराखंड राज्य से केंद्रीय सड़क परिवहन राज्यमंत्री अजय टम्टा के बनने पर तेजी आई है।

एचआरडीए ने लिया यह बड़ा एक्शन

हरिद्वार। ईदगाह रोड पर कपूर हॉस्पिटल के पीछे रविंदर द्वारा लगभग 15-16 बीघा के क्षेत्रफल में अनाधिकृत रूप से भू-विन्यास (अवैध प्लाटिंग) का कार्य किये जाने के कारण प्राधिकरण द्वारा अधिनियम की सुसंगत धाराओं के अंतर्गत नोटिस निर्गत करते हुए स्थल पर निर्माण कार्य बंद करने के निर्देश दिए गये, दिए गये आदेशों के बावजूद भी रविन्द्र द्वारा स्थल पर विकास कार्य को नहीं रोका गया, स्थल पर विकास कार्य ना रोके जाने के कारण, संयुक्त सचिव रूडकी के निर्देशानुसार प्राधिकरण की टीम जिसमें अवर अभियंता सहित अन्य कार्मिक उपस्थित थे के द्वारा स्थल पर किये गये विकास कार्य को ध्वस्त किया गया ।

सम्पादकीय

समझौते की उम्मीद

सम्पादक – देवेन्द्र जौहरी

लद्दाख को लेकर भारत और चीन के बीच समझौते की खबर आई तो एकबारगी लगा कि एशिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं और परमाणु सशस्त्र सेनाओं के बीच संबंध सामान्य हो रहे हैं। दोनों देशों के रिश्तों में 'हिन्दी-चीनी भाई-भाई' वाली नरमी लौटने से एक उम्मीद जगी थी कि एशियाई रिजन तनाव व संघर्ष के वातावरण से मुक्त हो सकेगा। दुर्भाग्य से पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी राष्ट्रों के बीच विश्वास बहाली की जमीन पुख्ता हो पाती इससे पहले ही चीन ने तिब्बत में ब्रह्मपुत्र नदी पर दुनिया के सबसे बड़े डैम प्रोजेक्ट को मंजूरी देकर विवाद को हवा दे दी। चीन के इस निर्णय से भारत सकते में है। भारत का मानना है कि चीन के इस प्रोजेक्ट से निचले बहाव वाले देशों खासकर भारत और बांग्लादेश पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। भारत ने इस प्रोजेक्ट पर कड़ी आपत्ति प्रकट की है। उसने चीन सरकार को दो टूक कहा है कि किसी भी तरह के निर्माण से पहले निचले बहाव वाले देशों के हितों का ध्यान रखा जाए।

देव संस्कृति विश्वविद्यालय और सेफ एक्सप्रेस प्रा. लि. के बीच समझौता

जतिन शर्मा

हरिद्वार। देव संस्कृति विश्वविद्यालय (छ्स्ङ्क्ङ्क) और सेफएक्सप्रेस प्राइवेट लिमिटेड के बीच कृत्रिम बुद्धिमत्ता (द्ध) और डाटा विज्ञान के क्षेत्र में सहयोग को लेकर एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (स्ब्श्) पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता देव संस्कृति विश्वविद्यालय के प्रति-कुलपति डॉ. चिन्मय पंड्या और सेफएक्सप्रेस प्रा. लि. के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (छ्श्श्) फॉर डाटा साइंस के प्रमुख पल्लव कुमार मिश्रा द्वारा संपन्न हुआ। यह समझौता दोनों संस्थानों के बीच अनुसंधान, नवाचार और औद्योगिक सहयोग के नए द्वार खोलेगा। कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विकास को प्रोत्साहित करने के साथ-साथ यह साझेदारी छात्रों को तकनीकी और व्यावहारिक अनुभव प्रदान करेगी, जिससे वे भविष्य की चुनौतियों का सामना कर सकें और समाज के उत्थान में योगदान दे सकें। इस गठबंधन का उद्देश्य न केवल द्ध के क्षेत्र में अनुसंधान को बढ़ावा देना है, बल्कि उद्योग और शिक्षा के बीच एक सशक्त सेतु का निर्माण करना है, जिससे आने वाली पीढ़ी को ज्ञान और कौशल के साथ सशक्त बनाया जा सके।

जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र, हरिद्वार के संचालन हेतु दिए गए निर्देश

सूचना हरिद्वार।

हरिद्वार। श्रीमती आकांक्षा कोण्डे, प्र० जिलाधिकारी हरिद्वार / मुख्य विकास अधिकारी, हरिद्वार की अध्यक्षता में जिला प्रबंधन समिति (छ्स्ञ्) की बैठक आहूत की गयी। जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र, हरिद्वार द्वारा रिक्त पदों पर ०6 व्यक्तियों का चयन किया गया है, जिनका अनुमोदन हेतु प्रस्ताव बैठक में समिति के सम्मुख रखा गया। समिति द्वारा उक्त पदों पर चयन का अनुमोदन किया गया। जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र, (छ्छ्रूञ्) हरिद्वार के संचालन हेतु उप जिला चिकित्सालय रुड़की में अतिरिक्त कमरे उपलब्ध कराने के निर्देश मुख्य चिकित्साधिकारी हरिद्वार को दिये गये। जनपद में प्रत्येक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (छ्.ङ्क.छ्) स्तर पर डी०डी०आर०सी० का एक श्व×ह्लद्गठ्ठह्यद्बश्ठ्ठ छ्श्हठ्ठह्लद्गह्ल (विस्तारित केन्द्र) स्थापित हेतु मुख्य चिकित्साधिकारी, हरिद्वार को निर्देशित किया गया कि प्रत्येक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र (छ्.ङ्क.छ्) पर डी०डी०आर०सी० के श्व×ह्लद्गठ्ठह्यद्बश्ठ्ठ छ्श्हठ्ठह्लद्गह्ल (विस्तारित केन्द्र) हेतु कक्ष उपलब्ध कराने हेतु/कार्मिक की नियुक्ति करने हेतु सम्बन्धित को निर्देशित कर डी०डी०आर०सी० को सहयोग प्रदान करना सुनिश्चित करें। दिव्यांगजनों के दिव्यांग प्रमाण पत्रों एवं यू०डी०आई०डी० की पृच्छा की गयी जिसमें प्रबंधक डी०डी०आर०सी० द्वारा अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 267० प्रमाण पत्र जारी किये जाने हेतु चिकित्सकों की टीम को सहयोग प्रदान किया गया तथा संस्था की टीम के द्वारा कुल 3267 यू०डी०आई०डी० कार्डों को बनाया गया। जनपद में दिव्यांगजनों के सर्वेक्षण की पृच्छा करने पर प्रबंधक डी०डी०आर०सी० द्वारा अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में कुल 1०,311 का कार्य किया जा चुका है। जिसके कम में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा जिला कार्यकम अधिकारी, हरिद्वार को निर्देशित किया गया कि जनपद में शेष दिव्यांगजनों का सर्वेक्षण किये जाने हेतु डी०डी०आर०सी० की टीम के साथ मिलकर ऑगनबाड़ियों का सहयोग प्रदान किया जाये, साथ ही मुख्य चिकित्साधिकारी हरिद्वार को भी निर्देश दिये गये कि दिनांक ०4 फरवरी 2०25 से 1० फरवरी 2०25 तक होने वाले डोर टू डोर ऐनिमिक सर्वे में आशाकार्यकत्रियों के माध्यम से दिव्यांगजनों का सर्वेक्षण भी किया जाये। निदेशालय, समाज कल्याण उत्तराखण्ड द्वारा जिला दिव्यांग पुनर्वास केन्द्र जनपद हरिद्वार को कार्मिकों के मानदेय तथा अन्य मदों / प्रशासनिक मदों के व्यय हेतु आवंटित की गयी धनराशि को डी०डी०आर०सी० को भुगतान हेतु समिति द्वारा अनुमोदित कर सहमति दी गई। बैठक में टी०आर० मलेठा जिला समाज कल्याण अधिकारी हरिद्वार, अविनाश सिंह भदौरिया जिला प्रोबेशन अधिकारी, अतुल प्रताप सिंह, डी०पी०आर०ओ०, डॉ अनिल वर्मा, ए०सी०एम०ओ०, नरेश चौधरी, सचिव रेड कॉस सोसायटी हरिद्वार, सुलेखा सहगल डी०पी०ओ एवं समाज कल्याण विभाग के अन्य कर्मचारी उपस्थित थे

खेल मंत्री रेखा आर्या ने हरिद्वार पहुंचकर कबड्डी और कलारीपयट्ट के मैच देखे

संवाददाता।

हरिद्वार। देहरादून से हल्द्वानी जाते समय करीब 1 घंटे के लिए खेल मंत्री रेखा आर्या हरिद्वार के खेल आयोजन स्थलों पर पहुंची। पुलिस लाइन में चल रही कलारीपट्टू प्रतियोगिता में खेल मंत्री रेखा आर्या ने मैच देखा इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों से कहा कि प्रदेश सरकार ने राष्ट्रीय खेलों में उनके सुख सुविधा और खेल सुविधाओं को उपलब्ध कराने में कोई कसर बाकी नहीं रखी है। उन्होंने खिलाड़ियों को बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं भी दी। खेल मंत्री ने धर्मनगरी के लोगों से भी मेहमान खिलाड़ियों और सपोर्टिंग स्टाफ की पूरी आवभगत करने की अपील की। इसके बाद खेल मंत्री रेखा आर्या वंदना कटारिया स्पोर्ट्स स्टेडियम पहुंची और यहां पुरुष वर्ग का उत्तराखंड और सर्विस स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड की टीमों के बीच खेला जा रहा कबड्डी मैच भी देखा। इसके अलावा खेल मंत्री ने महिला वर्ग में पंजाब और उत्तराखंड की टीमों का मैच भी देखा और मैच खत्म होने के बाद खिलाड़ियों के पास जाकर उनसे एक-एक कर बातचीत की। इस अवसर पर विधायक आदेश चौहान, क्लारिप्पट्टू एसोसिएशन के महासचिव अंबु नायर, डीओसी सोमेश, जिला खेल अधिकारी हरिद्वार शवाली गुरुंग, प्रवीण गर्ग आदि मौजूद रहे।

darpan NEWS

देवेन्द्र जौहरी
सहसम्पादक
जतिन शर्मा
सहसम्पादक
विक्रान्त शर्मा
कानूनी सलाहकार
जसमहिन्द्र सिंह एडवोकेट

महाकुंभ स्नान में भी राजनीति

अवधेश कुमार

महाकुंभ में बड़ा-छोटा कोई भी व्यक्ति स्नान करने जाए वह सामान्यतः चर्चा का विषय नहीं होना चाहिए। यह हमारी सनातन परंपरा में हर व्यक्ति का स्वाभाविक दायित्व है। किंतु पहले योगी आदित्यनाथ सरकार की पूरी कैबिनेट का एक साथ संगम में स्नान करना अनेक कारणों से चर्चा और विमर्श का विषय बना। उसके बाद जब सपा प्रमुख अखिलेश यादव स्नान करने गए तो संपूर्ण मीडिया की दृष्टि उनकी ओर गई। स्नान करती उनकी तस्वीरें और छोटे वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुई या की गई। मकर संक्रांति को हरिद्वार गंगा में स्नान की उनकी तस्वीरें भी इसी तरह वायरल हुई थी। हालांकि उसमें स्नान से ज्यादा सोशल मीडिया पर उनके शरीर सौष्ठव की ज्यादा चर्चा हुई। जब योगी आदित्यनाथ सहित संपूर्ण मंत्रिमंडल ने एक साथ संगम में डुबकी लगाई मां गंगा, यमुना और सरस्वती की पूजा की तथा उसके बाद मुख्यमंत्री के साथ दोनों उप मुख्यमंत्रियों केशव प्रसाद मौर्य और बृजेश पाठक साथ पूजा कर रहे थे तब भी वीडियो और तस्वीरें वायरल हुई। उस समय अखिलेश जी ने महाकुंभ पर राजनीति न करने की प्रतिक्रिया दी। यानी उन्होंने यह संदेश दिया कि भाजपा के मंत्री और नेता महाकुंभ पर राजनीति कर रहे हैं जो ठीक नहीं है। हालांकि उनके स्नान पर उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद ने सधी प्रतिक्रिया में कहा कि 'देर आयद दुरुस्त आयद', अखिलेश यादव जी महाकुंभ में पवित्र स्नान किया और उम्मीद है कि अब वह आस्था पर चोट नहीं पहुंचाएंगे। अखिलेश जी को भाजपा के मुख्यमंत्री, उप मुख्यमंत्रियों मंत्रियों और नेताओं के कुंभ स्नान में राजनीति दिखाई दी तो स्वाभाविक है कि उनके स्नान में भी राजनीति देखी जाएगी। हालांकि स्नान के बाद उन्होंने भाजपा को सहनशील होने की सलाह दी तथा 11 डुबकियों के बारे में उनके एक्स हैंडल पर कुछ अच्छी पंक्तियां लिखी हुई थी। उन्होंने गंगा, यमुना और सरस्वती को साथ मिलकर चलने की प्रेरणा देने वाला भी बताया। क्या वाकई अखिलेश जी के स्नान को इन्हीं सद्भाव, सामाजिक एकता और धार्मिक भावनाओं की परिधि के अंदर मान लिया जाएगा? दरअसल, केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार ने हिन्दुत्व, धार्मिक आस्था, धर्मस्थलों, कर्मकांडों से लेकर इनसे जुड़े विषयों पर जैसी प्रखरता और सुस्पष्टता दिखाई है उसका असर चारों ओर है। महाकुंभ में निहित हिन्दुत्व की व्यापकता, विशालता, सर्व सामूहिकता तथा भारत की महान अध्यात्म , संस्कृति, सभ्यता, परंपराओं, सामाजिक- पंथीय-एकता के भावों को संपूर्ण विश्व में प्रचारित-प्रसारित करने और दिखाने की रणनीति अपनाई है उनसे राजनीति अप्रभावित रहे ऐसा संभव नहीं। स्वतंत्र भारत के इतिहास में पहली बार किसी सरकार के संपूर्ण मंत्रिमंडल ने महाकुंभ स्नान और वहीं मंत्रिमंडल का बैठक की। महाकुंभ की पूर्व तैयारी में जैसी सक्रियता मुख्यमंत्री एवं दोनों उप मुख्यमंत्रियों तथा अनेक मंत्रियों के दिखाई उसका भी संदेश था और लोगों ने माना कि इस तरह किसी सरकार ने करने की कोशिश नहीं की। अखिलेश जी के कार्यकाल में 2013 में हुए महाकुंभ में मुख्यमंत्री और सरकार की भूमिका से वर्तमान सरकार की व्यवस्थाओं, दोनों के आचरणों आदि की तुलना हो रही है। वैसे तो 2014 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र में सरकार बनने के बाद से हिन्दुत्व, धर्म, भारतीयता आदि के संदर्भ में धीरे-धीरे माहौल बदला है और जिन मुद्दों पर बोलने तक से बचते थे, पूजा-पाठ व कर्मकांड को दिखाने तक में संकोच करते थे वो सब वर्जनायें लगभग ध्वस्त हुई हैं। सौभाग्य भारत की चेतना इन आधारों पर बहुत कुछ निर्धारित करने लगी है जिसमें राजनीति भी है। अखिलेश यादव जी ने जब महाकुंभ में कैबिनेट की बैठक को गलत बताया तो लोगों की सामान्य प्रतिक्रियाएं उनके विरु द्ध थीं। अगर संपूर्ण भारत के जिलों तक का प्रतिनिधित्व प्रयागराज महाकुंभ में है, उत्तर प्रदेश के कोने-कोने लोग आ रहे हैं, देश और विश्व भर के सनातन धर्म के साधु-संत-संन्यासी, विचारक, संस्कृतिकर्मी, पुजारी वहां प्रवचन, कर्मकांड आदि करते हुए विश्व कल्याण के भाव से साधना कर रहे हों, विचार-विमर्श हो रहा हो तो कैबिनेट की बैठक स्वाभाविक रूप से वही होनी चाहिए। सरकार जनप्रतिनिधि है तो यह अवसर है जनता के मनोभाव के साथ खड़े होने और काम करने की निष्ठा प्रदर्शित करने का। ऐसे सकारात्मक जन भावों के साथ एकता दिखाना भी सरकारों और राजनीति का दायित्व होना चाहिए। आज तक की राजनीति सेक्यूलरलाद की झूठी अवधारणा के कारण इनसे भागती रही है। इसी भाव से अखिलेश जी की नकारात्मक प्रतिक्रिया आई। सच महाकुंभ आरंभ के पहले से ही उनकी और पार्टी की प्रतिक्रियाएं नकारात्मक रहीं। विपक्ष के नाते सपा को सरकार की कमियों, महाकुंभ में अगर जनता को समस्याएं व असुविधाएं हैं, नौकरशाही, कर्मचारी, ठेकेदारों के कार्य में कहीं कोताही है तो उन्हें उठाना या मुद्दा बनाना बिल्कुल स्वाभाविक है। विपक्ष के नाते यह उसकी भूमिका भी है। पर विपक्ष की इतनी ही भूमिका नहीं हो सकती। आपकी महाकुंभ में वैसी ही आस्था है जैसी अखिलेश जी ने स्नान करके प्रदर्शित की तो यह पहले से भी कई रूपों में दिखनी चाहिए थी। क्या सपा की कोई भूमिका महाकुंभ में है? कम-से-कम सपा जगह-जगह महाकुंभ में आए लोगों के स्वागत के कुछ बैनर भी लगा देती तो लगता कि वाकई कुंभ के प्रति उसकी आस्था है। 2013 के महाकुंभ को याद करिये, तो आपको भाजपा के बैनर तस्वीरें मिलेंगी। संघ विचार परिवार के अनेक संगठनों ने जगह-जगह सेवा के कैंप लगाए थे। इसलिए भाजपा सरकार कुछ कर रही है तो उसकी अतीत से वर्तमान तक सुसंगति है। आप चाहे कुछ भी करिए, योगी सरकार और भाजपा को अलग से कुछ साबित करने या प्रमाण देने की आवश्यकता नहीं है। इस मौलिक अंतर को समझना पड़ेगा। राजनीति इतनी नैतिक और पवित्र हो, सनातन के प्रति स्वाभाविक रूप से आस्थावान होकर राजनीतिक रणनीति बनाएं और काम करें तभी भारत, मानवता और विश्व का वास्तविक मंगल होगा और यह किसी दृष्टि से सेक्यूलर विरोधी नहीं होगा। अभी तक की गलत धारणा और स्वयं को हिन्दू कहने में संकोच, व्यक्तिगत स्तर पर पूजा-पाठ, पर सार्वजनिक स्तर पर इसे दिखाने से परहेज करने का स्वभाव ध्यान रखें तो जो हो रहा है उसे आसानी से समझ सकते हैं।

दिल्ली वालों के लिए हर हाथ में लड्डू

ऋतुपर्ण दवे

दरअसल, दिल्ली विधानसभा चुनाव, गठन के बाद से ही बेहद अलग, दिलचस्प और इतर राजनीतिक पहचान को लेकर चर्चित रहे हैं। यह सही है कि मौजूदा सरकार के सुप्रीमो केजरीवाल जैसी मुफ्त की रेवड़ियों का वादा सभी पार्टियां और राज्य न केवल करने लगे हैं बल्कि पूरा भी करते हैं। ऐसे में इस बार के चुनाव वाकई दिल्ली वालों के लिए हर हाथ में लड्डू जैसे होंगे। इतना है कि इस बार मुकाबला न केवल कांटे का बल्कि त्रिकोणीय सा बनता जा रहा है, लेकिन यह भी सच है कि सरकार किसी की बने लुभावनी योजनाओं का अंबार होगा। इससे दिल्ली की कितनी तकदीर बदलेगी यही देखने लायक होगा। दिल्ली का चुनावी सफर भी दिलचस्प है। 1952 में पहली बार राज्य विधानसभा का गठन हुआ तब 48 सीटें थीं। कांग्रेस ने 36 सीटों पर जबरदस्त जीत दर्ज की। 34 वर्ष के चौधरी ब्रह्म प्रकाश मुख्यमंत्री बने जो नेहरू जी की पसंद थे। दरअसल, कांग्रेस देशबंधु गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाना चाह रही थी, लेकिन एक हादसे में उनकी मृत्यु के चलते ब्रह्म प्रकाश एक्सीडेण्टल मुख्यमंत्री बने। बेहद साधारण पृष्ठभूमि से आने वाले रेवाड़ी के निवासी ब्रम्ह प्रकाश कभी भी मुख्यमंत्री आवास में नहीं रहे। इस बीच काफी कुछ बदला। 1993 में भाजपा बहुमत में आई। मदन लाल खुराना मुख्यमंत्री बने और 1956 के बाद दिल्ली को कोई मुख्यमंत्री मिला, लेकिन 5 साल में 3 मुख्यमंत्री बदले गए। खुराना को घोटाले के आरोपों के चलते कुर्सी छोडऩी पड़ी फिर साहिब सिंह वर्मा आए और महंगाई के मुद्दे पर ऐसे घिरे कि उन्हें भी इस्तीफा देना पड़ा। इनके बाद सुषमा स्वराज को कमान मिली जो महज 52 दिन मुख्यमंत्री रहीं। 1998 के चुनाव में भाजपा ने सुषमा स्वराज को तो कांग्रेस ने शीला दीक्षित को आगे किया। कांग्रेस की जीत हुई और शीला दीक्षित मुख्यमंत्री बनीं। दिल्ली में फ्लाई ओवरों का जाल, मेट्रो रेल का विस्तार, डीजल की जगह सीएनजी के उपयोग को बढ़ावा और हरियाली पर खास ध्यान सहित दूसरे काम उनकी पहचान बने। 1998 से 2013 तक तीन बार लगातार दिल्ली की सत्ता पर कांग्रेस और शीला दीक्षित काबिज रहीं। इस बीच 2011 में जन लोकपाल विधेयक की मांग पर दिल्ली में अन्ना आंदोलन हुआ। अप्रैल में 5 दिन का आमरण अनशन और दोबारा 16 अगस्त से फिर अनशन बैठते ही देश भर में आंदोलनों की दस्तक हुई। आखिर संसद में बिल पास हुआ और देखते-देखते अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह, आतिशी और कई चेहरे भारतीय राजनीति के नये हीरो बन गए। आम आदमी पार्टी ने 2013 का दिल्ली चुनाव लड़ा और 15 वर्षो से काबिज कांग्रेस सरकार गिरा दी। 70 सीटों में भाजपा ने 32 जीती फिर भी बहुमत से दूर रही। आम आदमी पार्टी 28 सीटें जीतने के बाद कांग्रेस की 7 सीटों के समर्थन से सरकार बनाने में कामियाब रही और अन्ना आंदोलन से उपजे केजरीवाल पहली बार मुख्यमंत्री बने, मगर आप और कांग्रेस की नहीं निभी। 49 दिन में सरकार गिर गई और राष्ट्रपति शासन लग गया। 2015 में फिर चुनाव हुए। इसमें दिल वालों की दिल्ली ने केजरीवाल पर अपनी उम्मीदों की बख्शीश खूब लुटाई। 70 में से 67 रिकॉर्ड सीटें जीतकर केजरीवाल भारतीय राजनीति के नये सितारे बन गए। भाजपा केवल 3 सीटें तो कांग्रेस खाता भी नहीं खोल पाई। केजरीवाल भी अपनी तमाम घोषणाओं पर अमल करते रहे। नतीजन 2020 में एक बार आम फिर आदमी पार्टी ने 62 सीटें तो भाजपा 8 से आगे नहीं बढ़ पाई। कांग्रेस शून्य पर ही रही। लुभावनी योजनाओं का असर दिखा। आप को फिर बहुमत मिला और केजरीवाल मुख्यमंत्री बने। इसके बाद विवादों में घिरे, जेल गए और मुख्यमंत्री पद छोड़ा। अब दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी भले हैं लेकिन पार्टी सुप्रीमो केजरीवाल ही हैं।

सुरक्षित पुनर्वासन के लिए प्रदर्शन

वीरेन्द्र कुमार पैन्यूली

दिसम्बर 2022 में जोशीमठ में अपने भवनों, सडक़ों, खेतों में दिखतीं दरारें, कहीं-कहीं भवनों का तिरछा होता देख तथा पानी के फव्वारे फूटते देख भयंकर जाड़ों में भी दिन-रात भारत-चीन के सीमांत नगर जोशीमठ के निवासी सुरक्षित पुनर्वासन के लिए प्रदर्शन में जुटे थे। इसरो की वेबसाइट के अनुसार अप्रैल-नवम्बर, 2022 के बीच धंसाव 8-9 सेमी. था जबकि दिसम्बर 27, 2022 से जनवरी 8, 2023 के केवल बारह दिनों में यह 5-4 सेमी. था। उन्हीं दिनों अन्य नगरों और गांवों से भी जोशीमठ जैसी स्थितियों के उपजने की खबरें आने लगी थीं। तब उत्तराखंड सरकार ने जोशीमठ सहित एक दर्जन से ज्यादा नगरों की धारण क्षमता का आकलन करवाने की सार्वजनिक घोषणा की थी। पुन: 2024 में चारधाम यात्रा पड़ावों और प्रमुख पर्यटक स्थलों में श्रद्धालुओं और पर्यटकों की एक ही दिन में हजारों की भीड़ पहुंचने तथा वाहनों से जाम जैसी समस्याओं के परिप्रेक्ष्य में राज्य सरकार ने यात्रा मागरे के पड़ावों और भारी भीड़ से बोझिल नगरों की धारण क्षमता का आकलन करवाने का अपना मंतव्य व्यक्त कर दिया था किन्तु ठोस कार्रवाई न तो 2022 में हुई और न ही 2025 तक भी होती दिखी है। जोशीमठ का परिप्रेक्ष्य जनसंख्या भार और बाहरी आती-जाती भीड़ की बजाय वहां की भूगर्भीय कमजोरियों का है जबकि तीर्थ और पर्यटन स्थलों का मामला भीड़भाड़ का है। जोशीमठ की बसावट एक पुराने भूस्खलन, हिमस्खलन मोरेन हिमोड के ऊपर है। ड्रेनेज पैटर्न की भी समस्या है। हालांकि स्थानीय 'जोशीमठ बचाओ संघर्ष समितिई भूधंसाव और दरारों के लिए एक जल विद्युत परियोजना की कई किमी. की सुरंग और हेलंग बायपास निर्माण को आज भी जिम्मेदार मानती है। निस्संदेह उत्तराखंड के पर्वतीय नगर और गांवों की धारण क्षमता के आकलन की आवश्यकता है परंतु इसके लिए सरकार और आम जन में भी एक समग्र समझ पैदा होना जरूरी है। धारण क्षमता आकलन प्राथमिक समाधान की प्रक्रिया नहीं है, बल्कि वहनीय क्षमता की लक्ष्मण रेखा को लांघने के जोखिमों के संदर्भ में सचेत होने की प्रक्रिया है। धारण क्षमता जान कर तब फायदा है जब हम उसके प्रति संवेदित हों किन्तु पिछले दो सालों से स्मरण कराया जा रहा है कि दिल्ली से देहरादून का सफर अब सात की जगह दो घंटे का होने वाला है। देहरादून से मसूरी और वहां से होते हुए पर्यटन और तीर्थस्थलों तक पहुंचने में जाम न लगे, पार्किंग में भी दिक्कत न हो, इसके लिए सुरंगें प्रस्तावित हैं।

देहरादून को मिला राज्य का प्रथम मॉडल टीकाकारण केन्द्र

देहरादून। जनपद देहरादून को आज स्वास्थ्य क्षेत्र में एक साथ कई सौगात मिल गई हैं। जिसमें प्रमुखत: जिला चिकित्सालय (कोरोनेशन) देहरादून में रक्तकोष भवन का निर्माण कार्य का शिलान्यास तथा राज्य के प्रथम मॉडल टीकाकरण केन्द्र का लोकार्पण, सीएमओ आवास को लोकार्पण, आशाघर का शुभारंभ माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉधन सिंह रावत ने किया। इसके अतिरिक्त जिला चिकित्सालय के एसएसएनसीयू के लिए समर्पित एम्बुलेंस, एएनएम ट्रेनिंग सेंटर रानीपोखरी 25 सीटर बस तथा`2 टीबी उन्मूलन आधुनिक वाहन को हरीझण्डी दिखाकर रवाना किया तथा उप जिला चिकित्सालय रायपुर के उन्नयन कार्यों का शिलान्यास किया। इस अवसर पर माननीय स्वास्थ्य मंत्री डॉधन सिंह रावत ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में जो सुविधाएं हो सकती हैं वह सरकार पूर्ण कर रही है, ढाई वर्ष में 85०हजार लोगों को नौकरी दी है। एएनएम के लिए वाहन हेतु खनन न्यास से धनराशि निर्गत करने पर जिलाधिकारी का धन्यवाद दिया। देहरादून में आशाओं के शत्प्रतिशत् पद भर लिए गए हैं, जिससे देहरादून जनपद में पहले संस्थागत प्रसव 6०प्रतिशत् थे अब 93 प्रतिशत् हो गए हैं। 225 तक का लक्ष्य है कि शत्प्रतिशत् प्रसव कराने है ताकि महिलाओं को कोई दिक्कत न हो इसमें आशाओं का महत्वपूर्ण रोल है। एएनएम के पद भी पूरे हो जाएंगे। फार्मासिस्ट पूरे हैं तथा नर्स पूर्ण हो गए है। 752 एमबीबीएस चिकित्सक पूर्ण हो गए है। बैकलॉक के पद हेतु 1०दिन में विज्ञापन निकाल रहे है तीसरी बार विज्ञापन निकल रहा है यदि इस बार भी पद नही भर पाए तो जनरल कोटे से विज्ञप्ति निकाली जाएगी। सरकार अपने व्यय पर हर वर्ष 3०बच्चों पीजी करा रही है 227 तक 3०विशेषज्ञ चिकित्सक मिल जाएगे। जल्द ही 1०वार्डब्वाय के पद भर लिए जाएगें। चिकित्सालय में मरीजों को खाना अच्छा खिलाना है उन्होंने स्थानीय विधायक को कहा कि आप चिकित्सालय में मरीजो के खाने का निरीक्षण करेंगे। उन्होंने कहा कि चिकित्सालय में तीमारदारों के रहने के लिए व्यवस्था की जाएगी। उन्होंने कहा कि 18 सेवा को और अच्छा बनाया जा रहा है,तथा जल्द 35०एम्बुलेंस मिल जाएगी जो जीपीएस सिस्टम से लेस होगी, जिन्हे मरीज एवं तीमारदार टेऊक कर सकते है। मा०स्थानीय विधायक खजानदास ने जिला चिकित्सालय को विभिन्न सुविधाओं से सुशोभित करने पर मा०स्वास्थ्य मंत्री का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए डीएम द्वारा विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं को धरातल पर उतारने हेतु निरंतर किये जा रहे प्रयासों की सराहना की गई। जिलाधिकारी सविन बंसल ने कहा कि जनपद में इन सुविधाओं को धरातल पर उतारने के लिए मा०स्वास्थ्य मंत्री का मार्गदर्शन मिलता रहा है। उन्होंने इस कार्य में कार्यरत टीम मुख्य चिकित्साधिकारी, एनएचएम निदेशक तथा जिला प्रशासन एवं समस्त टीम के समन्वय एवं संयुक्त प्रयास से आज यह सभी सुविधाएं जनमानस समर्पित की जा रही है। उन्होंने कहा कि जो सीएचसी, पीएचसी हैं वह भी हमारे महत्वपूर्ण है, उनका भी उन्नयन कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि चिकित्सालय में उपलब्ध सुविधाओं का लाभ जनमानस को मिले इससे कार्यों की गुणवत्ता एवं सरकार एवं प्रशासन का जनमानस का बीच सकारात्मक सदेंश जाता है। सरकार एवं प्रशासन को उद्देश्य है कि पब्लिक को सरकार की सेवाओं का लाभ सुगमता से मिले, हम जितने जनमानस के जुड़ेगें उतना ही जनामनस की बीच उनकी समस्याओं का समाधान करने तथा सरकार की योजनाओं का लाभ पंहुचाने में मदद मिलेगी। मुख्य चिकित्साधिकारी डॉसंजय जैन ने कहा कि जिलाधिकारी के प्रयासों एवं माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी सहयोग से जनपद स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतर सुधार हो रहा है। उन्होंने कहा कि माननीय स्वास्थ्यमंत्री के सहयोग तथा जिलाधिकारी के प्रयासों एवं का ही नतीजा है कि आज जनपद में ब्लड बैंक का शिलान्यास सहित अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं में सुधार हो रहा है। इस अवसर पर मा०स्थानीय विधायक खजानदास, उपाध्यक्ष ग्रामीण राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन डॉसुरेश चन्द्र भट्ट, महानिदेशक स्वास्थ्य डॉमंजू टम्टा, डॉमनोज उप्रेती, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉसंजय जैन,उप जिलाधिकारी सदर हरिगिरि, डॉदिनेश चौहान, डॉनिधि रावत, पीआरओ प्रमोद पंवार सहित चिकित्सक एवं अन्य स्टाफ उपस्थित रहे।

फिल्टर प्लांट से हर दिन मिलेगा 1०लाख लीटर ज्यादा पानी

हल्द्वानी। पेयजल आपूर्ति कर रहे फिल्टर प्लांट से जल्द ही दस लाख लीटर ज्यादा पानी मिलने लगेगा। फिल्टर प्लांट के सुधारीकरण को जल संस्थान के बनाए प्रस्ताव को मंजूरी मिल गई है। अब विभाग प्लांट के पंपसेट बदलने के साथ अन्य जरूरी सुधारीकरण कार्य शुरू करेगा। इसके पूरा होने पर प्लांट की क्षमता बढ़ने से पेयजल आपूर्ति बढ़ने की उम्मीद है। गौला नदी के पानी को शीशमहल में मौजूद फिल्टर प्लांट में साफ कर जल संस्थान पेयजल आपूर्ति करता है। लंबे समय से यहां सुधारीकरण का काम न होने से इनकी क्षमता प्रभावित हो रही है। इस स्थिति में हर दिन विभाग को प्लांट से 32.5 एमएलडी पानी ही मिलता है। वहीं पानी में सिल्ट की मात्रा बढ़ने पर प्लांट कई घंटे बंद रहते हैं। इसके समाधान को जल संस्थान ने प्लांट में जरूरी सुधारीकरण का प्रस्ताव मुख्यालय भेजा था। जिसे मंजूरी मिलने के साथ पहले चरण में विभाग को 27 लाख का बजट मिल गया है। इससे विभाग प्लांट में लगे पंपसेट और अन्य उपकरणों को बदला जाना है। जिससे प्लांट की क्षमता एक एमएलडी यानी दस लाख लीटर अतिरिक्त पेयजल देने की होने की उम्मीद जताई जा रही है। जिससे हर दिन 33.5 एमएमडी पानी मिलने लगेगा। वहीं जरूरी उपकरणों को बदलने से पानी में सिल्ट ज्यादा होने पर प्लांट बंद होने से भी राहत मिलेगी। हल्द्वानी के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों में हर दिन 95 एमएलडी पानी की मांग बनी रहती है।

मौनी अमावस्या पर श्रद्धालुओं ने लगाई आस्था की डुबकी

ऋषिकेश। मौनी अमावस्या पर बुधवार को ऋषिकेश के विभिन्न गंगा घाटों पर श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। भोर से ही गंगा घाटों पर स्नान का शुरू हुआ सिलसिला देर दोपहर तक चला। श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान के साथ पितरों की आत्मशांति के लिए तर्पण और दान भी किया। बुधवार को तीर्थनगरी ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट, दत्तात्रेय घाट, नाव घाट, रामानंद घाट, साईं घाट, 72 सीढी घाट, मुनिकीरेती में शत्रुघ्न घाट, दयानंद घाट, पूर्णानंद घाट, स्वर्गाश्रम में सीता घाट, राम घाट, लक्ष्मणझूला घाट आदि जगहों पर श्रद्धालु उमड़े। यहां तड़के से ही श्रद्धालुओं का गंगा स्नान शुरू हो गया था। जो दोपहर तक चलता रहा। ठंड के बावजूद श्रद्धालुओं ने गंगा में आस्था की डूबकी लगाई। श्रद्धालुओं ने गंगा स्नान कर पूजा-अर्चना की और पितरों की आत्मशांति के लिए तर्पण भी किया। तुलसी मानस मंदिर के महंत रवि प्रपन्नाचार्य महाराज ने कहा कि मौनी अमावस्या पर गंगा स्नान का विशेष महत्व है और इस दिन स्नान और दान से कई जन्मों के पाप नष्ट हो जाते हैं। गंगा घाट आने वाली सड़कों पर लगा जाम = मौनी अमावस्या के चलते बुधवार को तीर्थनगरी में गंगा स्नान के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। ऐसे में गंगा घाट की ओर आने वाले तमाम रास्तों पर वाहनों और पैदल राहगीरों का दबाव बढ़ने से जाम की स्थिति देखी गई। कई जगहों पर पुलिस ने जाम की समस्या को देखते हुए रूट भी डायवर्ट रखे। गंगा घाटों पर सुरक्षा के लिए पुलिस कर्मी रहे तैनात = ऋषिकेश के तमाम गंगा घाटों में पुलिस के जवान तैनात दिखे। त्रिवेणी घाट, नाव घाट, दत्रात्रेय घाट, साईं घाट, आस्था पथ आदि जगहों पर तैनात पुलिस कर्मियों ने स्नान के दौरान असमाजिक तत्वों पर नजर रखी। तमाम घाटों पर जल पुलिस के जवान भी लोगों की सुरक्षा के लिए तैनात दिखे। श्रद्धालुओं को चाय और नाश्ता बांटा = लायंस क्लब ऋषिकेश डिवाइन ने मौनी अमावस्या पर त्रिवेणी घाट पर श्रद्धालुओं को चाय, खस्ता कचौरी का प्रसाद वितरित किया। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने इसका लाभ उठाया। क्लब संस्थापक ललित मोहन मिश्र व अध्यक्ष विनोद बिष्ट ने कहा कि मानव सेवा सबसे बड़ा धर्म है। मौके पर किशोर मेहता, हेमंत सुनेजा, दिनेश अरोरा, महेश किंगर, विकास ग्रोवर, विनीत चावला, शिवम अग्रवाल, गौतम कुमार, कमल प्रजापति, मोहित गनेरिवाला, कृष्णा कालरा आदि उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय खेलों के पहले ही दिन साबित हुई हाईटेक शूटिंग रेंज की गुणवत्ता

देहरादून। हरियाणा की रमिता बुधवार को जब अपनी एयर रायफल लिए शूटिंग रेंज पर पहुंची, तो उनकी काबिलियत कसौटी पर थी। कसौटी पर वह नवनिर्मित हाईटेक शूटिंग रेंज भी थी, जिसकी तुलना दिल्ली और भोपाल की शूटिंग रेंज से की जा रही थी। रमिता की रायफल से गोली निकली। स्कोर 634.9 रहा और यह 1०मीटर की एयर रायफल महिला स्पर्धा के क्वालीफिकेशन राउंड का कीर्तिमान बन गया। रमिता तो कसौटी पर खरी उतरी ही, महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज की शूटिंग रेंज भी खरा सोना साबित हुई। राष्ट्रीय खेलों के पहले दिन की इससे शानदार शुरुआत हो ही नहीं सकती थी, जबकि शूटिंग की पहली ही स्पर्धा में रिकार्ड टूट गया। भारतीय शूटिंग टीम के असिस्टेंट कोच अरुण सिंह के मुताबिक- इससे पहले, शूटिंग की इस स्पर्धा में क्वालीफिकेशन रिकार्ड 637.7 स्कोर पर बना था। यह रिकॉर्ड भोपाल में आयोजित वर्ल्ड कप चैंपियनशिप में बना था। रमिता ने दो अतिरिक्त प्वाइंट अर्जित कर नया क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड बनाया है। रमिता को अब बृहस्पतिवार को इस स्पर्धा के फाइनल में खेलना है। दो तरह के रिकॉर्ड मेंटेन किए जाते हैं। एक क्वालीफिकेशन और दूसरा मेडल रिकॉर्ड होता है। राष्ट्रीय खेलों के लिए महाराणा प्रताप स्पोर्ट्स कॉलेज में बनाई गई हाईटेक शूटिंग रेंज की जितनी तारीफ की जा रही थी, वह पहले ही दिन सही साबित हुई है। भारतीय टीम के असिस्टेंट कोच अरुण सिंह शुरू से ही कह रहे थे कि जिस तरह से इस शूटिंग रेंज को तैयार किया गया है, उससे यहां नए रिकार्ड निकल सकते हैं। शूटिंग रेंज में कुल 16०टारगेट स्थापित हैं। 1०व 25 मीटर रेंज के 6-6०व 5०मीटर रेंज के 4०टारगेट हैं। टारगेट क्षमता के मामले में यह दिल्ली व भोपाल के बाद तीसरे नंबर की शूटिंग रेंज है। 25 मीटर की रेंज में सबसे ज्यादा टारगेट फिक्स करने की क्षमता। अत्याधुनिक हाईटेक उपकरणों से सुसज्जित यह शूटिंग रेंज है। हाईटेक टारगेट से सटीक स्कोरिंग सुनिश्चित हो रही है। क्वालीफिकेशन रिकॉर्ड बनाने वाली हरियाणा की रमिता पेरिस ओलंपिक में भारत का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। वह पेरिस ओलंपिक में अंतिम आठ में जगह बनाने में कामयाब रहीं थीं। रमिता का कहना है कि उन्हें उम्मीद थी कि वह रिकार्ड बनाएंगी। अपनी कोच नेहा चवन को भी वह इस मौके पर याद करने से नहीं चूकी। साथ ही कहा कि दून की शूटिंग रेंज बहुत अच्छी है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक
देवेन्द्र जौहरी द्वारा
साप्ताहिक समाचार पत्र
''गुरुकृपा दर्पण'' को
रूद्र प्रिंटिग प्रेस, ई-34,
ओल्ड इड्रस्ट्रियल एरिया, हरिद्वार
(उत्तराखण्ड) से मुद्रित एवं